Date: 3 **जुलाई** 2023

लोथल

पाठ्यक्रम: जीएस 1 / कला और संस्कृति

सदर्भ-

- सरकार 4500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से लोथल गुजरात में 'राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर' विकसित करेगी।

लोथल-

1. **स्थान:** लोथल, अहमदाबाद जिले के धोलका तालुका के गाँव सरागवाला के निकट स्थित है।
2. **नाम:** गुजराती में लोथल (लोथ और थाल का एक संयोजन) का अर्थ है "मृतकों का टीला। संयोग से मोहनजोदड़ो शहर का नाम (सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा, जो अब पाकिस्तान में है) का अर्थ सिंधी में भी यही है।

सिंधु घाटी स्थल के रूप में लोथल-

1. **स्थान:** लोथल सिंधु घाटी सभ्यता के सबसे दक्षिणी स्थलों में से एक था, यह शहरभारत के राज्य गुजरात के भाल क्षेत्र में स्थित है।
2. **समयरेखा:** माना जाता है कि बंदरगाह शहर 2,200 ईसा पूर्व में बनाया गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने 1954 में लोथल की खोज की थी।
3. **विशेषताएं:** बाद की खुदाई में, एएसआई ने लोथल में एक टीला, एक टाउनशिप, एक बाजार और डॉक का पता लगाया।
4. **व्यापार:** लोथल प्राचीन काल में एक संपन्न व्यापार केंद्र था, जिसमें मोतियों, रत्नों और आभूषणों का व्यापार पश्चिम एशिया और अफ्रीका तक होता था।

दुनिया का सबसे पुराना डॉकयार्ड-

1. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अनुसार, लोथल में दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात बंदरगाह था, जो शहर को सिंध के हड़प्पा शहरों और सौराष्ट्र प्रायद्वीप के बीच व्यापार मार्ग पर साबरमती नदी के प्राचीन मार्ग से जोड़ता था।
2. इसके अतिरिक्त, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशनोग्राफी, गोवा ने स्थल पर समुद्री माइक्रोफॉसिल और नमक, जिप्सम, क्रिस्टल की खोज की, जो दर्शाता है कि यह निश्चित रूप से डॉकयार्ड था।
3. प्रमुख खोजों में एक टीला, एक नगर, एक बाज़ार स्थल और एक गोदी शामिल है। उत्खनन स्थल के पास ही एक पुरात्तत्व संग्रहालय स्थित हैं जिसमें सिंधु घाटी से प्राप्त वस्तुएं प्रदर्शित की गयी हैं।

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी)-

3. **इसमें शामिल निकाय:** यह गुजरात सरकार के सहयोग से बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) द्वारा सागरमाला योजना के तहत विकसित किया जा रहा है।

4. पृष्ठभूमि: यह परियोजना 2022 में शुरू की गई थी, और इसे 4,500 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है।
5. **उद्देश्य:** एनएमएचसी को भारत के विविध समुद्री इतिहास को प्रदर्शित करने और लोथल को विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में उद्देश्य से विकसित किया जा रहा है।
6. **इसमें चार थीम पार्क होंगे –** मेमोरियल थीम पार्क, मैरीटाइम और नेवी थीम पार्क, क्लाइमेट थीम पार्क और एडवेंचर एंड एम्यूजमेंट थीम पार्क।
7. **इसमें दुनिया का सबसे ऊंचा लाइटहाउस संग्रहालय,** हड़प्पा काल से लेकर आज तक भारत की समुद्री विरासत को उजागर करने वाली 14 दीर्घाओं के साथ-साथ भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने वाला एक तटीय राज्य मंडप भी होगा।

विरासत मूल्य-

1. लोथल को अप्रैल 2014 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था, और इसका आवेदन यूनेस्को की अस्थायी सूची में लंबित है।
2. इसका विरासत मूल्य दुनिया भर के अन्य प्राचीन बंदरगाह-शहरों के बराबर है – ज़ेल हा (पेरू), इटली में ओस्टिया (पोर्ट ऑफ रोम) और कार्थेज (पोर्ट ऑफ ट्यूनिस), चीन में हेपू, मिस्र में कैनोपस, गाबेल (फोनीशियन के बायब्लोस), इज़राइल में जाफा, मेसोपोटामिया में उर, वियतनाम में होई आन।
3. इस क्षेत्र में, इसकी तुलना बालाकोट (पाकिस्तान), खिरासा (गुजरात के कच्छ में) और कुंतासी (राजकोट में) के अन्य सिंधु बंदरगाह शहरों के साथ की जा सकती है।

स्रोत: पीआईबी

Rajiv Pandey

संग्रहालय

पाठ्यक्रम: जीएस 3 / विज्ञान और प्रोद्योगिकी

सदर्भ-

- डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ज्ञान केंद्र और अंतरिक्ष संग्रहालय तिरुवनंतपुरम के कोडियार में आने वाले 18 महीनों में तैयार होने की उम्मीद है।

प्रमुख बिन्दु-

- इस परियोजना को संयुक्त रूप से केरल राज्य सरकार और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) द्वारा बढ़ावा दिया गया है।
- तिरुवनंतपुरम वह जगह है जहां डॉ कलाम ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के साथ अपने शुरुआती वर्ष बिताए थे। इस प्रकार, परियोजना उनके लिए एक उचित श्रद्धांजलि है।
- कोडियार पैलेस के करीब3 एकड़ में नियोजित इस परियोजना की मूल रूप से 2016 में कल्पना की गई थी, लेकिन विरासत समिति द्वारा प्रारंभिक डिजाइन पर आपत्ति जताने के कारण इसमें देरी हुई।
- ज्ञान केंद्र और संग्रहालय युवा पीढ़ी को लाभान्वित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के बारे मे-

- अवुल पकिर जैनेलाबदीन अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 में रामेश्वरम में एक मछआरे परिवार में हुआ था।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

- अवुल पकिर जैनेलाबदीन अब्दुल कलाम 2002 और 2007 तक देश के 11 वें राष्ट्रपति थे और **उन्हें एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (आईजीएमडीपी) में उनके योगदान के लिए भारत के 'मिसाइल मैन' के रूप में भी जाना जाता है।**
- उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1998 **के पोखरण-2 परीक्षणों** में भी भूमिका निभाई थी।
- अब्दुल कलाम को 1981 में पद्म **भूषण, 1990 में पद्म विभूषण और फिर 1997 में भारत** के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत **रत्न से सम्मानित किया गया था।**
- इन्हे लोगों के प्रति विनम्र और सम्मानजनक रवैये के लिए भी जाना जाता है और उन्हें '**जनता का राष्ट्रपति' कहा जाता था।**
- देश के राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल की समाप्ति के बाद, वह छात्रों को व्याख्यान देने और लिखने के लिए वापस चले गए।
- 2015 में भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक व्याख्यान देने के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

स्रोत: TH

Rajiv Pandey

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com